ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९८
दिनांक- शुक्रवार, २४ दिसम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 23.1 एवं 7.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.0 एवं दोपहर में 21.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 दिसम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 दिसम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 27–29 दिसम्बर के बीच उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी भागो के जिलों में आसमान में गरज वाले हल्के से मध्यम बादल बन सकते है जिसके कारण २८–२९ दिसम्बर के आसपास कहीं–कहीं हल्की वर्षा या बूंदा बूंदी हो सकती है।
- पूर्वानुमान की अवधि में दिन तथा रात के तापमान में २–३ डिग्री सेल्सियस वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में मध्यम कुहासा छा सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 9–12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से २९ दिसम्बर के आसपास हल्की वर्षा या बूंदाबूदी की संभावना को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि कृषि कार्यों में सावधानी बरते। कटे हुए फसलों को सुरक्षित स्थानों पर भण्डारण कर ले। सिचाई तथा कीटनाशको का प्रयोग मौसम देख कर ही करें।
- रबी मक्का की ५०–५५ दिनों की फसल में ५० किलोग्राम नत्रजन का उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ाकर सिचाई करें। फसल में कीट एवं रोग–व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें।
- पहली सिंचाई के बाद गेहूँ की फसल में कई प्रकार के खर–पतवार उग आते है। यह गेहूँ की बुआई के ३० से ३५ दिनों के बाद की अवस्था है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। जिससे उपज प्रभावित होता है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्राम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में पर छिड़काव करें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। २५ दिसम्बर के बाद बुआई करने पर उपज में कमी आ सकती है। पिछात बोयी गयी गेहूँ की जो फसल २१–२५ दिनों की हो गई हो, में सिंचाई कर प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दें तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई० सी० २ लीटर प्रति एकड़ २०–२५ किलोग्रम बालू में अथवा उर्वरक में मिलाकर खेत में शाम को छिड़क दें।
- प्याज के तैयार पौध की पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दूरी १० से०मी० पर रोपाई करे।
- मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें।
- आलू की फसल से खरपतवार निकालें एवं आवश्यकतानुसार १०–१५ दिनों के अन्तराल में सिंचाई करें। आलू में नियमित रुप से झुलसा रोग की निगरानी करें। आलू में कजरा पिल्लू दिखने पर फसल में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० का २.५ लीटर १००० लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों वाली फसल में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ ई०सी०/ १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करे। इस कीट के पिल्लू टमाटर को बहुत अधिक नुकसान पहुचाते है। ये कच्चे तथा पके टमाटरो में छेद करके उनके अन्दर घुस कर गूदा खाते है। कीट के मल–मूत्र के कारण फल में सड़न प्रारंभ हो जाती है जिससे उत्पादन में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव हेतु ८–१० फेरोमौन ट्रैप प्रति हेक्टेयर खेत में लगाये। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ ई०सी०/ १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी या इन्डोक्साकार्ब १४.५ एस०सी० १ मी०ली० प्रति २.५ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- सर्दी के मौसम से दुधारु पशुओं को १ किलो ग्राम अतिरिक्त दाना मिश्रण दे एंव साफ ताजा पानी जिसका तापमान १५–२० डिग्री सेल्सियस हो पिलाए। दाना मिश्रण में तिलहन अनाज एंव खल्ली की मात्रा बढ़ा दें। पशु बाड़े के फर्श को सूखा रखें। बाछड़–बछड़ियों को रात के समय बंद कमरें में रखें एंव पुवाल का बिछावन दें। बच्चों में सफेद दस्त एंव निमोनिया के लक्षण आने पर तुरन्त पशु चिकित्सक के परामर्श से इलाज कराए।

आज का अधिकतम तापमानः 23.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 8.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी